अनुसूची 14-फारम सं0-562

आदेश-पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक, 1741 का नियम 127)

आदेश पत्रक - ता0.....से.....तक

जिला.....**सुपौल**....., सं0.....**93**....., सन् .....**2022**.....

केस का प्रकार.....**आर्बिट्रेशन**.....**(हीराकांत झा बनाम राज्य एवं अन्य)**.....

आदेश की क्रम संख्या किस तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित ३
28.10.2026	NHAI एवं राज्य उपस्थित। आवेदक अनुपस्थित हैं। उल्लेखनीय है कि आवेदक सुनवाई हेतु निर्धारित विगत (10) दस तिथियों से लगातार अनुपस्थित है। आज भी आवेदक द्वारा इस वाद में कोई पैरवी नहीं किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत वाद NH-327 Ext परियोजना अन्तर्गत अधिग्रहित भूमि मौजा-बनगाँव खेसरा सं0-1529 के ''कृषि से आवासीय'' श्रेणी में सम्परिवर्त्तन हेतु दायर किया गया है। आवेदक द्वारा निबंधित विक्रय पत्र के आधार पर अधिग्रहित भूमि के आवासीय श्रेणी में दावा किया जा रहा है। विपक्षी (DLAO एवं NHAI) के प्रतिवेदनानुसार उपरोक्त परियोजना हेतु निर्गत अधिसूचना एवं अधिघोषणा में अधिग्रहित भूमि खेसरा सं0-1529 का किस्म 'कृषि+आवासीय' दर्ज है। जिला स्तरीय छः सदस्यीय जाँच कमिटि द्वारा जाँचोपरान्त प्रतिवेदन में आवेदक के भू-खंड को 'कृषि+आवासीय' श्रेणी में रखा गया। छः (06) सदस्यीय उचित प्रतिकर पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति के स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन में खेसरा सं0-1207 का किस्म किस्म 'कृषि+आवासीय' अंकित है। साथ ही आवेदक का अधिग्रहित खेसरा सं0-1529 का अर्जित भाग कृषि है, क्योंकि आवेदक के अधिग्रहित खेसरा सं0-1529 पर शीशम, चह, आम, खेर एवं वाँस इत्यादि का पेड़ लगा हुआ है, अर्थात् आवेदक अधिग्रहित जमीन खेसरा सं0-1529 के भाग का उपयोग कृषि कार्य के रूप में कर रहे है, जिसका मूल्यांकन वन विभाग से कराने के उपरांत पंचाट में सम्मलित किया गया है। साथ ही आवेदक के द्वारा अपने आवेदन में किए गए दावा के समथर्न में वर्णित भूमि के सम्परिवर्त्तन (Change in Land Use) से संबंधित सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत कोई प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किय गया है। तद्लोक में विपक्षी (DLAO एवं NHAI) द्वारा उनकी ओर से दाखिल जवाब के आलोक में इस आर्बिट्रेशन वाद को खारिज करने का अनुरोध किया गया है। अभिलेख का अवलोकन किया। आवेदक द्वारा समर्पित दस्तावेज तथा विपक्षी (DLAO एवं NHAI) द्वारा दाखिल जवाब व अभिलेखों के आलोक में आवेदक के भूमि के कृषि किस्म के अनुरूप देय मुआवजा राशि का भुगतान हेतु निर्गत नोटिस संगत नियमों के आलोक में किया गया है। आवेदक द्वारा इस न्यायालय में ऐसा कोई भी साक्ष्य दाखिल नहीं किया गया हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सके की अधिसूचना से पूर्व उनकी भूमि का उपयोग आवासीय भूमि के रूप किया जा रहा था। फलस्वरूप प्रासंगिक मामले में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सहरसा सहरसा द्वारा घोषित अवार्ड उचित प्रतीत होता है, जिसमें किसी प्रकार की हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। अतः उपरोक्त के आलोक में इस आर्बिट्रेशन वाद की कार्यवाही को समाप्त की जाती है। आदेश की प्रति संबंधितों को दी जाय। आयुक्त -सह-आर्बिट्रेटर, कोशी प्रमंडल, सहरसा। लेखापित एवं शुद्धित। आयुक्त -सह-आर्बिट्रेटर, कोशी प्रमंडल, सहरसा।	

आयुक्त न्यायालय कोशी प्रमण्डल, सहरसा